हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 10 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नमामि गंगे अभियान के तहत निकाली गई कलश यात्रा

भुआबिछिया। शासन के निर्देशानुसार नमामि गंगे अभियान के तहत विविध गतिविधियां संचालित है जैसे - मंदिरों की साफ-सफाई जल संरक्षण के तहत घाटों की साफ-सफाई, वृक्षारोपण, इत्यादि कार्यक्रम निरंतर जारी है, इसी क्रम में महिला स्व-सहायता समूह के द्वारा नगर परिषद प्रांगण से कलश यात्रा निकाली गई जो वार्ड क्रमांक 14, राम मंदिर के समीप वाटर बॉडी एनीकट में संपन्न हुई जिसमें वार्ड वासियों का सहयोग एवं निकाय नगर परिषद बिछिया द्वारा किया जा रहे कार्यों की सराहना की जा रही है जिसमें जनप्रतिनिधि गण एवं समस्त कर्मचारी गण नमामि गंगे अभियान के तहत जुड़े सभी पदाधिकारीगण एवं सहायक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एमबीबीएस में हुआ वेदिका का चयन

मण्डला। मण्डला के व्यापारी शक्ति क्षेतीजा की पुत्री वेदिका का एमबीबीएस में चयन हुआ है वेदिका ने नीट की परीक्षा में 537 अंक लाकर इस सफलता को अर्जित किया है। वेदिका की इस सफलता पर परिजनों एवं स्नेहीजनों ने उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनायें दी है।

उमरिया में बन रहा सार्वजनिक कूप

मण्डला। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत घुघरी के ग्राम पंचायत उमरिया में सार्वजनिक कूप निर्माण का कार्य किया जा रहा है। कूप निर्माण के लिए मनरेगा के अंतर्गत निर्मल नीर उप योजना से 4.08 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए विभागीय अमला द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। कार्य में स्थानीय श्रमिकों का नियोजन किया गया है। इस सार्वजनिक कूप का निर्माण कार्य पूर्ण होने से ग्रामवासियों के लिए पेयजल का एक अन्य स्त्रोत उपलब्ध होगा।

कृषि अधिकारियों की शह पर मालामाल हो रहे व्यापारी

बीजों के नाम पर ठगे जा रहे किसान

*** कोई नहीं दे रहा बीजों की गारंटी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

खरीफ की फसल के लिए बीजों की खरीदी इन दिनों जोरों पर है नगर में जहां-तहां लुभावने पोस्टरों के माध्यम से किसानों को बीज खरीदने प्रेरित किया जा रहा है 30 रूपये किलो की धान 300 रूपये से लेकर 1000 रूपये किलो तक बेची जा रही है जो बीज उत्तम किस्म का कहकर बेचा जा रहा है उसकी कोई लिखित गारंटी देने को तैयार नहीं फसल कितने दिनों में पकेगी उसकी सफलता का प्रतिशत क्या होगा धान कौन सी होगी उसकी गुणवत्ता क्या होगी यह सब हवा हवाई ही है कोई गंभीरता से यह बताने को तैयार नहीं की विभिन्न मापदंडों पर बीज कितना खरा उतरेगा लुभावने पैकेट में शानदार प्रिंटिंग देखकर किसान बीज खरीद रहे हैं और ठगे जा रहे हैं और किसान जब खेतों की जुताई कराकर खेत बनाकर बीज की बुवाई करते हैं तो बाद में पता चलता है कि बीज तो अमानक निकला ना तो पौधे बना रहे हैं और ना ही फसल में फल उतने आ रहे हैं जितने आने चाहिए मानक गुणवत्ता से कम फसल भी आती है और मात्रा में भी कम होती है बारीक धान के स्थान पर मोटी धान पक रही है 90 दिनों के स्थान पर 100 दिन 100 दिन के स्थान पर 120 दिन में फसल पकती है किसानों का न केवल समय एवं मेहनत बर्बाद हो रही है बल्कि मेहनत की मोटी कमाई भी यूं ही जाया हो रही है।

कृषि विभाग की भूमिका संदिग्ध

बाजार में कौन से बीज मानक हैं कौन से अमानक इसके बारे में कृषि विभाग को ही तय करना होता है कृषि विभाग के अधिकारियों को ज्ञात होना चाहिए की कौन-कौन से बीज बाजार में विक्रय के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं उन्हें कहां से प्रमाणित किया गया है उनकी गुणवत्ता की कौन गारंटी दे रहा है किस कंपनी के द्वारा यह बीज निर्मित कर बाजार में बेचे जा रहे हैं इन सभी बातों को लेकर किसानों के बीच जन जागरूकता लानी चाहिए गांव-गांव इस बात का प्रचार प्रसार कृषि विभाग द्वारा किया जाना चाहिए की अमुक बिजी स्थानीय स्थिति के अनुसार बेहतर होगा और किसानों को उचित दाम में इस तरह के बीजों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए लेकिन मोटे कमीशन के चलते अधिकारियों की न केवल बोलती बंद है बल्कि वे अपने कर्तव्यों की अवहेलना कर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किसानों को ठगने में भागीदार बन रहे हैं।

देशी बीजों को देना होगा बढ़ावा

खरीफ एवं रबी फसल के पहले ही इस तरह की तैयारी कृषि विभाग द्वारा की जानी चाहिए और विभिन्न समूह एवं समितियों के माध्यम से स्थानीय बीजों को उन्नत करके उन्हें किसानों के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए जिससे एक ओर फर्जी व्यापारियों एवं फर्जी अमानक बीजों से निजात मिल सकेगी तो वही देशी बीजों की एक उन्नत श्रृंखला तैयार हो सकेगी लेकिन कृषि विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे क्योंकि इससे उनका कोई फायदा होने वाला नहीं जबकि व्यापारियों से उन्हें भरपूर कमीशन मिल रहा है और इसी के चलते किसानों को ठगने का धंधा बेखौफ जारी है।

जल गंगा सर्वेक्षण अभियान के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत बीजाडांडी अंतर्गत जल गंगा सर्वेक्षण अभियान के तहत 42 पंचायतों में जल संवर्धन के कार्यों को प्रारंभ किए गए एवम कार्यक्रम के तहत जनभागीदारी से जल संरक्षण के भी कार्य किए गए। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनपद सदस्य, सरपंच, वार्ड पंच और अन्य जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए।

जल गंगा सर्वेक्षण अभियान के तहत मुख्यालय की ग्राम पंचायत बीजाडांडी के यादव मोहल्ला के सार्वजनिक कूप में जनभागीदारी के तहत सिल्ट की सफाई की गई। कार्य के दौरान मोहल्लावासियों ने कूप के मरम्मत कार्य की मांग की जिसमें सरपंच डुमारी लाल कुम्हरे ने उक्त कार्य को एक सप्ताह में पूर्ण करने को कहां।

कार्यक्रम में सरपंच डुमारी लाल कुम्हरे, वार्ड पंच मुन्नी बाई साहू, राम बाई मरावी, सीईओ उमेश सिंगरौरे, एसडीओ हामिद कुरैशी, एपीओ मनीराम मसराम, उपयंत्री कंचन ठाकुर, सचिव जितेंद्र सिंह कुशराम, सहायक सचिव इनायत मंसूरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

नाना घाट में किया गया श्रमदान

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 9 जून 2024 को मंडला नगरपालिका परिषद अंतर्गत नानाघाट में श्रमदान कर घाट की सफाई की गई तथा पर्यावरण एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। उक्त कार्यक्रम में विनोद कुछवाहा अध्यक्ष नगरपालिका, सुधीर मिश्रा पार्षद, गजानंद नाफड़े सीएमओ, प्रवीण ठाकुर उपयंत्री, राजेश छत्री, कपिल वर्मा पत्रकार, दिनेश चौधरी, अशीष चौरसिया, श्याम श्रीवास, संतोष बर्मन, आनंद तिवारी, प्रशांत दीक्षित सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

"जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत हो रहे हैं

*** बारिश की हर बूँद को सहेजने के प्रयास।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जल गंगा संवर्धन अभियान को जिले में व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है। जल स्त्रोतों की सफाई करते हुए उसे पुर्नजीवित करने के लिए ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक श्रमदान कर रहे हैं। बड़ी संख्या में तालाब गहरीकरण, पर्कुलेशन टैंक तथा कंटूर ट्रैंच निर्माण का कार्य किया जा रहा है। नदी, तालाब, कुआँ, बावड़ी सहित विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुर्नजीवन के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नैनपुर के कन्हरगांव में स्थानीय लोगों की सहभागिता से जल स्त्रोतों की सफाई की गई। मुड़ियारिचका, भाड़ा तथा चंदवारा में पर्कुलेशन टैंक का निर्माण किया जा रहा है। ग्राम, मोहल्ला स्तर पर रैली तथा जल संसद कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने तथा बारिश के पानी को गांव में ही रोकने संबंधी समझाईश दी जा रही है।

जंगल बचाएंगे, पेड़ लगाएंगे

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में लोगों को जल स्त्रोतों की सफाई के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का महत्व बतलाया जा रहा है। साथ ही पर्यावरण के बिगड़ते संतुलन के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया जा रहा है। ग्रामीणों को समझाईश दी जा रही है कि वे जंगल में गिरी हुई लकड़ियों का उपयोग करें, पेड़ न काटें। प्रत्येक व्यक्ति कम से एक वृक्ष अनिवार्य रूप से लगाते हुए उसकी देखभाल भी करें। जन्मदिन, शादी की सालगिरह, पुण्यतिथि आदि में भी पौधे रोपें। कार्यक्रमों में ग्रामीणजनों को जंगल बचाने तथा पौधे लगाने की शपथ भी दिलाई जा रही है।

थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा अवैध जुआ फड़ पर बड़ी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मण्डला द्वारा अवैध जुआ, शराब माफियाओं के विरुध्द कार्यवाही हेतु आदेशित करने व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा एसडीओपी मण्डला के मार्गदर्शन में दिनांक 08.06.2024 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रामबाग खैरमाई मंदिर के पीछे कुछ लोग तांस के पत्तो पर हारजीत का जुआ मन्ना खेल रहे है कि सूचना से प्राप्त होने पर हमराह स्टाफ शासकीय वाहन के रवाना होकर ग्राम रामबाग खैरमाई मंदिर के पीछे घेराबंदी कर छापामार कार्यवाही किये खैरमाई मंदिर के पीछे लाईट एवं मोबाईल की लाईट की रोशनी मे कुछ लोग जुआ खेलते मिले जिन्हे घेराबंदी कर पकडा गया। जिनके फड एवं पास से जुमला नगदी रकम 7600 रूपये, 52 तांस के पत्ते, एवं 05 नग मोबाईल कुल जुमला कीमती 46000 रूपये मिली आरोपियो का कृत्य अपराध धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत दंडनीय पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

बाढ़ आपदा प्रबंधन की जिला स्तरीय बैठक आज

मण्डला। मानसून वर्ष 2024 में बाढ़, अतिवृष्टि की संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारियों के लिए सर्व संबंधित विभागों की जिला स्तरीय बैठक 10 जून 2024 को टीएल बैठक के तुरंत बाद जिला योजना भवन के मीटिंग हॉल में आयोजित की गई है। संबंधितों को बैठक में अपने सुझाव सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध कारोबार | **सट्टे की वजह से युवा और मजदूर वर्ग के घर हो रहे तबाह।**

छुटभैया नेताओं की शह में चल रहा सट्टा

*** पुलिस की भूमिका पर लग रहे आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

सूत्र बतातें है जिले बीजाडांडी और टिकरिया थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के रहमो करम से बेख़ौफ़ सट्टे का काला कारोबार गुले गुलजार हो रहा। जिसके चलते इन दोनों थाना क्षेत्र में मजदूर और युवा वर्ग बर्बाद होता नजर आ रहा है। बतादें जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में चाय, पान दुकानों पर कालपी, खूटापड़ाव, ब्लॉक मुख्यालय बीजाडांडी, मानिकसराय, पौड़ी, छिंदगांव अन्य ग्रामों में सट्टे का कारोबार जोरो पर चल रहा है।

टिकरिया थाना क्षेत्र में लग रही सट्टे की दुकान

पुलिस सूत्र बतातें है टिकरिया थाना क्षेत्र में पुलिस कर्मी जिनकी देख रेख इस काले कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है वही इसी थाने में पुलिसकर्मी इन अवैध कारोबार में बढ़ चढ़कर भागेदारी निभाते नजर आते है। हमारे सूत्र और सटोरिये बतातें हैं कि हम पर कार्यवाही कर नहीं सकती क्योंकि हम स्थानीय पुलिस को बताकर ये सब करतें है। काले कारोबार की वजह से कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाज सेवक स्थानीय पुलिस को अवगत करा चुके है। लेकिन आर्थिक लाभ के चक्कर में स्थानीय पुलिस किराए के सटोरियों पर कार्यवाही करके पुलिस अधीक्षक की नजरों में हीरो बन जाते हैं जिससे पुलिस अधीक्षक भी सोंचते है कि हमारी पुलिस अवैध कारोबार पर कार्यवाही कर रही है। जबकि सच्चाई ये है अगले दिन फिर से सट्टे की वही दुकानें बड़े उत्साह के साथ सज जाती है और शिकायत कर्ताओं को चैलेंज देकर धड़ल्ले से अवैध कारोबार को बढ़ावा देते है।

बीजाडांडी और टिकरिया थाने में बदलाव की जरूरत

दोनों ही थाना क्षेत्र के नागरिक बतातें है कि यहाँ पर कुछ पुलिसकर्मी लंबे समय से जमे हुए है जिनकी वजह से क्षेत्र में अवैध कारोबार और अवैध कारोबारी दिन पे दिन बढ़ते जा रहें हैं। जिसकी वजह से क्षेत्रीय जनता चाहती है ऐसे पुलिस कर्मियों की जाँच पड़ताल कर हटाया जाए। सट्टे की वजह से दोनों थाना क्षेत्रों में चोरियों का भी इजाफा होता नजर आरहा है। बीते कुछ दिनों में टिकरिया और बीजाडांडी में कई चोरियां हुई लेकिन आज दिनांक तक किसी भी चोरी का खुलासा नही हो सका।

एसडीओपी मंडला ने महाराजपुर थाना का किया भ्रमण, एसडीओपी नैनपुर द्वारा चौकी क्षेत्र पिंडरई कस्बे का रात्रि में किया भ्रमण

*** थाना पहुँच तैनात पुलिस कर्मियों को दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार एसडीओपी नैनपुर एवं एसडीओपी मण्डला ने किया औचक निरीक्षण दिनांक 07.06.2024 की देर रात्रि एसडीओपी मण्डला पियुष मिश्रा द्वारा थाना महाराजपुर का औचक निरीक्षण कर रात्रि गस्त, थाने के मालखाना, थाने के रजिस्टर, पेंडेंसी, गुंडा- बदमाश रजिस्टर, हवालात, थाना भवन की साफ सफाई,पीने के पानी की व्यवस्था, बाथरूम व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, सीसीटीएनएस एंट्री चेक कर थाने के सभी रजिस्टर अपडेट रखने एवं साफ-सफाई, पानी की व्यवस्था सही तरीके से रखने हेतु, साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को थाने पर नियमित वर्दी में रहने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही थाने में रात्रि में प्राप्त होने वाली सूचनाओं को अतिसंवेदनशीलता से लेते हुए संज्ञान में लाने हेतु निर्देशित किया गया।

एसडीओपी नैनपुर द्वारा चौकी पिंडरई क्षेत्र का भ्रमण

एसडीओपी नैनपुर द्वारा चौकी क्षेत्र का भ्रमण कर रात्री गस्त में लगे पुलिस कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिये।

खबर संक्षेप

कई एकड़ जमीन होने के बाद भी गरीबों की सूची में नाम?

मनकवारा। शासन की योजनाओं में मनमानी करना अधिकारियो का आदत में बनता जा रहा है, क्योंकि सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनका भला करने की सोच रखी हुई है, मगर उन योजनाओं का लाभ गरीबों को मिलने की जगह इस प्रकार के लोगों को उठाते हुए देखा जा रहा है जो पूर्ण रूप से साधन संपन्न है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चावरपाठा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है। जहां पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गरीबी रेखा व अति गरीबी रेखा सूची में बरती गई लापरवाही के चलते जहां पात्र लोगों के नाम तो नही जुड़े है, किन्तु अपात्रों के नाम अवश्य जोड़ दिये गये है। जिनके पास अपने खेतों में नलकूप सहित ट्रेक्टरों से लेकर सभी प्रकार के साधन उपलब्ध है, इस प्रकार से गौर किया जावे तो गरीबों को मिलने वाले हक का उपयोग अपात्र व प्रभावशाली लोग आसानी से उठाते हुए देखे जा रहे है, जबकि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी गरीब रोजी रोटी की तलाश में भटकने के लिए मजबूर हो रहे है, आम जन द्वारा गरीबी रेखा, अति गरीबी रेखा सूची से अपात्र लोगों के नाम काटने की बात कही जा रही है, जबकि सूची का पुनरीक्षण किए जाने पर पात्र लोगों के नाम जोड़ने की भी मांग की है। यदि यहां की इस सूची की बारिकी से जांच की जावे तो कई एकड़ के कास्तकारो के साथ जिनकी पक्की बिल्डिग बनी है,उन लोगों को इस सूची में शामिल करना अधिकारियों की लापरवाही या फिर मिलीभगत का नतीजा है, जिसके लिये शासन के आदेशों को ताक पर रखकर ऐसा किया जा रहा है,जबकि ये लोग शासकीय वेतन का भी उपयोग करते है और फिर यही लोग सूची में अपना नाम जुड़वा लेतें है,

सड़क किनारे खड़े रहने वाले वाहन बन रहे परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस ताह से सड़कों पर यातायात बढ़ रहा है उसके चलते आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गाडरवारा पिपरिया मार्ग पर जिस प्रकार से बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई उसके चलते आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस मार्ग पर सड़क किनारे बने हुए ढ़ाबो पर जिस प्रकार से सड़क किनारे बड़े वाहन खड़े रहते है उसके चलते यातायात प्रभावित तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही है? बताया जाता है कि नगर के समीप शांति दूत तिरहा के पास से लेकर कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर बडे वाहनों में ट्रक व डम्फर इस प्रकार से खड़े कर दिये जाते है जिसके चलते जब यहां से छोटे वाहनों व स्कूली बच्चों का निकलना होता है तो उन्हें आगे का मार्ग दिखाई ही नही पड़ता है,

किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी पर अंकुश लगाने में पुलिस क्यों नही हो पा रही हे सफल

हरिभूमि न्यूज/सड्डूमर। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखे ही जा रहे है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय पड़ रही गर्मी के मौसम के चलते किसानों को सिंचाई हेतु मुश्किल से ही बिजली मिल पा रही है जिसके चलते किसान अपने खेतों में लगी हुई मूंक व गन्ने की फसल की सिंचाई चिलचिलाती धूप की परवाह किये बगैर करने में लगा हुआ है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है।

सरकारी शाला भवन में भूसा के साथ रखे जा रहे कृषि यंत्र

भवन के दोनों ओर लगभग दो दो किलोमीटर दूरी तक किसी का नही है रहवास

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा बच्चों के भविष्य को ध्यान मे रखते हुये शिक्षा के क्षेत्र में धनराशि खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर जब उस शासकीय राशि का सही उपयोग होने की जगह मात्र औपचारिकता निभाने में नाम पर खर्च की जावे तो निश्चित ही सरकार द्वारा किये जाने वाले संपूर्ण प्रयासों को ग्रहण करने में देर नही लगती है तो दूसरी ओर अधिकारियों की भूमिका पर भी सबाल खड़े होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सलैया व सड्डूमर के बीच कोरई टोला में बने हुये शिक्षा गारंटी भवन को देखते हुये जान पड़ रहा है। क्योंकि बीरान इलाके में बने हुये इस शिक्षा गारंटी शासकीय शाला भवन में क्षेत्र के लोगों ने शायद ही आज तक किसी भी छात्र को अध्ययन करते हुये देखा गया होगा? क्योंकि यहां से ग्राम सड्डूमर व ग्राम सलैया की दूरी लगभग दो दो किलो मीटर है। वही दूसरी ओर इन ग्रामों में प्राथमिक स्तर के स्कूल संचालित हो रहे है। वही दूसरी ओर जिस जगह यह शाला भवन बनाया गया है वहां पर किसी भी प्रकार से रहवासी क्षेत्र ही नही है। मगर इसके बाद भी लाखों रूपया की सरकारी राशि से बनाये गया है शाला भवन शुरूआती तौर से ही चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? वही गौर करने वाली बात यह भी है कि जब शाला भवन बना हुआ है तो निश्चित तौर से यहां पर सरकारी रिकार्ड में किसी ने किसी शिक्षक को तैनाती होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि इस शाला भवन की वर्तमान सच्चाई पर गौर किया जावे तो लाखों की लागत से बने हुये इस शाला भवन में जहां भूसा के ढेर नजर आ रहे है तो दूसरी ओर जिन कमरों में बैठकर बच्चों को पढ़ाई होना चाहिये थी उन कमरों में लिखें हुये पहाडे के नीचे जिस तरह भूसा को ढेर नजर आ रहा है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक रहा हे कि शायद यहां पर किसी के मवेशी पहाड़ा याद करते हुये स्वरूचि भोज का आनंद लेने से नही चूक पाते होगे? वही दूसरी ओर शाला भवन की दहलान पर ट्रेक्टर की ट्राली सहित अन्य कृषि यंत्र रखे हुये दिखाई देने से जिले के शिक्षा अधिकारियों की उदासीनता की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रहा है? वही बताया जाता है कि जिस जगह पर कोरई टोला के नाम पर लगभग 17 वर्ष पहले शिक्षा गारंटी भवन का निर्माण किया गया था वहां पर न तो कोई रहवासी क्षेत्र है और न ही आसपास कोई लोग रहते है। इस स्थिति में निश्चित ही वर्षो पूर्व लाखों की राशि से बनाया गया है भवन तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है? लगभग 16 वर्ष पूर्व जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले इस कोरई टोला जो पूर्णरूप से बीरान इलाके के रूप में दिखाई पड़ रहा है, जहां पर अधिकारियों द्वारा लाखों रूपया की शासकीय राशि खर्च करते हुये शिक्षा गारंटी भवन का निर्माण कराते हुये इसका लोकापर्ण 31 मई 2007 को क्षेत्र के तत्कालीन विधायक संजय शर्मा की मौजूदगी में बड़े ही धूमधाम के साथ कराया गया था। इस बात से इंकार भी नही किया जा सकता है कि जब यहां पर शिक्षा गारंटी केन्द्र की शिक्षा विभाग द्वारा स्थापना की गई है तो निश्चित ही यहां पर किसी ने किसी शिक्षक की भी नियुक्ति की गई होगी? क्योंकि बगैर किसी शिक्षक के तो कोई भी शिक्षण संस्था संचालित होने से रही अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार वह शिक्षक कौन है जिसकी देखरेख में यह केन्द्र संचालित हो रहा है? क्योंकि आज तक क्षेत्र के लोगों ने इस शाला भवन में किसी भी छात्र का अध्ययन करते हुये तो देखा नही है? इस तरह लाखों रूपया की राशि से बना हुआ यह भवन चारो ओर से पूर्णरूप से खंडहर में तब्दील हो चुका है। भवन के अंदर फैल रही गंदगी तथा लगे हुये भूखा के ढेर व आस पास खेती का काम करने वाले लोगों की रखी हुई सामग्री इस बात का उदाहरण देने से नही चूक पा रही है कि यह शासकीय भवन बच्चों को भविष्य बनाने के जगह क्षेत्र के किसानों के काम सहित मवेशियों का चारा गाह बन चुका है। वही दूसरी ओर इस सरकारी भवन में अनैतिक गतिविधियाँ संचालित होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये बनाये गये इस भवन की सच्चाई पर निश्चित ही अनेक प्रकार के सबाल खड़े होने से इसलिये नही चूक रहे है। क्योंकि जब किसी शासकीय भवन का निर्माण किया जाता है तो उसे पहले जनपद पंचायत से पास करते हुये निर्माण का प्रस्ताव तैयार करते हुये उच्च अधिकारियों को भेजा जाता है तथा इसके उपरांत शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद उसे पास किया जाता है जब कही उसका निर्माण होता है। कुछ इसी प्रकार से इस भवन का निर्माण भी सरकारी अधिकारियों द्वारा सभी नियमों को पालन करते हुये स्वीकृत किया गया होगा तब कही भवन का निर्माण हुआ होगा। वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह भी है कि जब भवन बना हुआ है तो निश्चित ही किसी शासकीय शिक्षक को नियुक्त भी किया गया होगा? इस भवन की सच्चाई को देखते हुये अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार गांव से दूर बीरान इलाके में इस भवन को पास करते हुये स्वीकृति प्रदान करने वाला वह अधिकारी कौन रहा होगा? वही इस शिक्षा गारंटी केन्द्र में पदस्थ रहने वाले शिक्षक कौन है और वह अपनी सेवाएं कहा दे रहा होगा तथा इस संस्था में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राएं कौन है जिनका भविष्य संभाला जा रहा है? सही मायने में देखा जावे तो यह कोरई टोला के नाम पर संचालित होने वाला शिक्षा गारंटी केन्द्र मात्र कागजों पर संचाहित होने के आलवा और कुछ नही है? शासन की राशि खर्च करते हुये भवन निर्माण से लेकर इस शिक्षा गारंटी केन्द्र में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं की निष्ठा के साथ जांच होती है तो निश्चित ही चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी? क्योंकि खंडहर होने के साथ पूर्णरूप से चारागाह बने चुका यह शासकीय भवन खुद ही अपने सच्चाई उजागर करने से नही चूक रहा है? क्योंकि इस भवन से दोनों ओर लगभग दो से तीन किलो मीटर के क्षेत्र में कोई भी रहवासी टोला तो दिखाई दे नही रहा है तथा एक ओर बसा हुआ ग्राम सड्डूमर जहां पर प्राथमिक शाला भवन से लेकर माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्था स्थापित है तो दूसरी ओर बसा हुआ ग्राम सलैया करहैया है जहां पर भी प्राथमिक शिक्षण संस्था संचालित हो रहे है। इस स्थिति में यहां के बच्चें तो यहां पर अध्ययन करने के लिये आने से रहे तो फिर सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार इस कोरई टोला शिक्षा गारंटी भवन में कहा के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिये शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च की गई होगी? निश्चित ही यह शासकीय भवन एक बड़ी जांच की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है, क्योंकि इस भवन के स्थापना की जांच होती है तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी बेनकाब होने से नही चूक पायेगे?

जल संरक्षण एवं पर्यावरण अभियान के तहत खुरसीपार में गोंडवाना साम्राज्यकालीन बावडी का किया जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय संपूर्ण प्रदेश में शासन द्वारा जल संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस जिला कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में व सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके चलते बीते हुये दिवस जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खुरसीपार में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस दौरान जल संरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत खुरसीपार में ग्राम पंचायत एवं जन सहयोग से गोंडवाना साम्राज्यकालीन ऐतिहासिक बावड़ी का जीर्णोधार कराया गया है। यह बावड़ी जिले में अभी तक सुरक्षित एवं संरक्षित भी है। इसी के साथ- साथ मिनी, चेक डैम और मुक्ति धाम पर तालाब निर्माण कार्य कराया गया है। भविष्य में जल संरक्षण कर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी एवं मवेशियों एवं अन्य जीवों को पानी के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर 05 जून से गंगा दशहरा 16 जून तक चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के निर्माण, जीर्णोद्धार, मरम्मत, नदी, तालाब, कुओं, बावड़ियों एवं अन्य जल स्रोतों की सफाई और व्यापक स्तर पर पौधरोपण करने का निर्णय लिया गया है।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर हुये अतिक्रमण की सच्चाई को छुपाते हुये पटवारियों द्वारा दिया जा रहा अतिक्रमणकारियों को संरक्षण

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि इस समय अतिक्रमण की भेंट चढ़ने की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि जहां तहां शहरी क्षेत्रों में सैकड़ो एकड़ से भी अधिक भूमि अतिक्रमणाकारियों की चपेट में पहुंच चुकी है और कुछ इसी प्रकार का हाल ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने मिल रहा है। शहरों में तो शासकीय भूमियों पर जहां लोगों द्वारा कब्जा करते हुये अधिकारियों की मिलीभग के चलते उस पर पक्के आवास बनाते हुये उसका विक्रय करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है तो गांवों में खुलेआम शासकीय भूमियों पर फसले पैदा होते हुये देखी जा रही है? जिसके चलते गांवों में स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां लोगों को अंतिम संस्कार करने के लिये जगह उपलब्ध नही हो पा रही है। वही दूसरी ओर अतिक्रमणकारी उसे शासकीय भूमि पर फसले पैदा करते हुये हर वर्ष लाखों रूपया कमाने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई कुछ साल पहले सालीचौका के समीप पौड़ार के पास उस समय देखने मिल चुकी है जहां पर शासन के रिकार्ड के अनुसार तो काफी मात्रा में शासकीय भूमि पड़ी हुई है। मगर जब ग्राम के लोगों को एक वृद्व महिला के शव का अंतिम संस्कार करने के लिये जगह नही मिल पाई थी तो उन्हें मजबूर बस चकाजाम जैसा कदम उठाने के लिये मजबूर होना पड़ा था? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई चीचली क्षेत्र के अंतर्गत भी देखी जा रही है जहां पर अनेक गांवों में शासन की रिकार्ड में तो कई एकड़ शासकीय भूमि बंजर के रूप में पड़ी हुई है। मगर यदि मौके पर जाकर देखा जावे तो वहां पर लोगों की फसल लहलहाते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये बीते हुये कुछ वर्ष पहले तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त पटवारियों को अपने अपने हल्का क्षेत्रों में शासकीय भूमि व उस पर हुये अतिक्रमण की रिर्पोट पेश करने का आदेश जारी किया गया है? मगर अधिकारियों द्वारा दिये गये इस आदेश को लेकर जिस प्रकार से पटवाारियों द्वारा सच्चाई के विपरित रिर्पोट तैयार करते हुये पेश की गई थी उसके चलते आज तक वह शासकीय भूमि अधिक्रमण कारियों के कब्जे से मुक्त नही हो पाई है तो दूसरी ओर इस गफलतबाजी में लक्ष्मी माता का आर्शीबाद जान पड़ने से नही चूक पाया है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक जगहों पर आज भी शासकीय भूमि अतिक्रमणकारियों के कब्जे में होने के साथ उस पर टियूबेल दिखाई देने से नही चूक पा रहे है और पटवारियों द्वारा सच्चाई को छिपाते हुये अधिकारियों को गुमराह करते हुये उस भूमि को अतिक्रमण से मुक्त बताने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है जिसके चलते पटवारियों की भूमिका अतिक्रमणकारियों को शह देने की मुद्रा में दिखाई देते हुये जान पड़ रही है? इस प्रकार से शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिये प्रशासन द्वारा बीते हुये वर्ष शुरू की गई पहल की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही शासन की यह पहल गांवों के विकास को चार चांद लगाने से नही चूक पायेगी? मगर इस समय राजस्व विभाग के रखबारे माने जाने वालों को इस सच्चाई को उजाकर करने के नाम पर जो जिम्मा सौपा गया है उनकी कार्य प्रणाली को देखते हुये यह जान पड़ने से नही चूक पा रहा है कि शायद ही अतिक्रमणमारियों से शासकीय भूमि मुक्त हो पायेगी? क्योंकि अनेक जगहो पर राजस्व विभाग से जुड़े हुये लोगों द्वारा जिस प्रकार से रिर्पोट तैयार करते हुये अधिकारियों को सौपी जा रही है उसमें शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त बताने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। जबकि शहरों से लेकर गांव गांव मौके पर यदि सच्चाई को देखा जावे तो शासकीय भूमि पर जहां अनेक प्रभावशाली लोगों के मकान बने हुये दिखाई पड़ रहे है तो कई जगह खुलेआम शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा अपने नलकूपों का खनन कराते हुये उस पर फसल पैदा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। मगर राजस्व विभाग के कर्मचारियों को इस सच्चाई को छुपाने में कोई कसर न छोड़ते हुये अतिक्रमणकारियों को पूर्णरूप से संरक्षण देते हुये जान पड़ रहा है? यदि राजस्व विभाग के बरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बीते हुये वर्ष क्षेत्र के हल्कों से प्राप्त हुई शासकीय भूमि पर अतिक्रमण संबंधी रिर्पोट की मौके पर पहुंचकर जांच कराई जावे तो निश्चित ही दूध का दूध पानी का पानी होने से नही चूक पायेगा और प्राप्त हुई रिर्पोट के बाद भी अनेक जगह शासकीय भूमि पर लोगों का अतिक्रमण पाये जाने की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी?

नगर में जर्जर स्थिति में पहुंचे मकानों से घटित हो सकती है किसी दिन बड़ी घटना, भोपाल में घटित हुई घटना से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जब कोई बड़ी घटना घटित होती है तो नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा उस पर अबशोष बनाने से नही चूकते है मगर समय रहते हुये यदि उस ओर ध्यान दे दिया जावे तो निश्चित तौर से बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये कुछ साल पहले प्रदेश की राजधानी भोपाल में जर्जर स्थिति में पहुंचा हुआ बहु मंजिला मकान गिर जाने के कारण उसमें कुछ लोगों की मौते होने की खबर आई हुई थी इस घटना से निश्चित अधिकारियों को सबल लेते हुये नगर में जर्जर स्थिति में पहुंचे हुये आवासों की ओर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि इस समय नगर में देखा जा रहा है कि जहां एक ओर धड़ल्ले से बहुमंजिला भवनों का निर्माण हो रहा है तो वही दूसरी ओर नगर के अनेक भागों में कुछ इस प्रकार के भवन भी खड़े हुए है जो पूर्णरूप से जर्जर हो चुके है और आये दिन उनकी दिवारों से लेकर अन्य भागों को गिरते हुये भी देखा जाता रहता है। मगर इसके बाद भी जहां लोग उनमें निवास कर रहे है

जो निश्चित ही एक बड़े खतरे की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है? इस प्रकार से यदि शहर के अंदर देखा जावे तो अनेक बड़े मकान मिल जावेगे जो वर्षो पूर्व हबेली के समान बने होने के बाद अब वह पूर्णरूप से खस्ता हाल में पहुंच चुके है और भवन के मालिको द्वारा या तो उनमें स्वयं निवास किया जा रहा है या फिर उन्हें किराये पर देकर कमाई की जा रही है। इस प्रकार से नगर में अनेक जगहों पर पुराने जर्जर भवन जहां मौत का सायरन बजाते हुए दिखाई पड़ रहे है। मगर प्रशासन से लेकर आमजन इस बात से बेखबर है कि इस प्रकार के भवनों से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है यदि घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? इस तरह से जर्जर स्थिति में नगर के बीचो बीच खड़े हुये इन खस्ता हाल भवनों की ओर समय रहते हुये शासन प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से आने वाले बारिश के दिनों में बड़ी घटना घटित होने की संभावना बन सकती है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये आमजन द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों से अपेक्षा जताई गई है कि बारिश का सीजन शुरू होने के पूर्व इस तरह जर्जर स्थिति में पहुंच चुके खस्ता हाल भवनों की खोज खबर लेते हुये सुरक्षा के उचित प्रबंध किये जावे।

पानी के लिए भटक रहे मूक पशु

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों जहां सूरज भगवान आग वर्षो ने में कोई कसर नही छोड़ रहे है इसी के कारण गर्मी अपने शबाब पर रहने से सूर्यदेव के रौद्र रूप दिखाने से नगर की गलियो में सन्नाटे का आलम जहां दिखायी दे रहा है। वही धूप की चुभन के दौरान लोगों का सड़कों पर चलना दूभर हो रहा है। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि गर्मी के तेवर तीखे होते जाने से शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी की जल राशि समाप्त हो चुकी है और शहर का जल स्तर भी कम होने लगा है, जिसके चलते जहां मूक पशु पीने के पानी को लेकर परेशान नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर पक्षियों को भी गर्मी के चलते ठंडक पाने के लिए भटकते हुए देखा जा रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि गर्मी का असर सबसे ज्यादा उन पक्षियों पर पड़ रहा है जिसके चलते वह पानी की खोज में भटकते हुए देखे जा रहे है, हालत यह है कि गर्मी के भीषण होते जाने से दोपहर में पक्षियों की आवाज कम सुनी जा रही है और शहर का वातावरण अजीब हो गया है। गौरतलब है कि गर्मी के एकाएक बढ़ने का विपरीत असर जन स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है।

चाय नास्ता की दुकानों ने लिये शराब अहातों का रूप, पौड़ार तिरहा सहित अन्य जगहों पर खुलेआम हो रही शराब खोरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

प्रदेश सरकार द्वारा बीते हुये वर्ष 1 अप्रेल 2023 से संपूर्ण प्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शराब पीने के प्रमुख माने जाने वाले ठोर ढिकानों को बंद कराने का आदेश देते हुये खुले मैदान में शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस को सख्त कार्यवाही के आदेश दिये गये है। इस आदेश के परिपालन में कुछ दिनों तक तक तो पुलिस की कार्यवाही देखने मिली मगर अब पुलिस द्वारा खुले मैदान व सार्वजिनक स्थलों पर शराब पीने वालों के खिलाफ सुस्ती बरते जाने का परिणाम है कि चाय नास्ता दुकानों में इन अहातों का रूप धारण कर लिया गया है। इस बात की सच्चाई सालीचौका सहित समीपस्थ पौडार तिरहा पर आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर दिन दहाड़े चाय नास्ता दुकानों पर शराब का दौर चलते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। वही दूसरी ओर शराब के नशे में मस्त शराबियों द्वारा यहां की शांति व्यवस्था भंग करते हुये देखा जा रहा है। इस तरह शराब के अहाते बंद होने के कारण अब चाय नास्ता दुकानों ने मानों पुलिस प्रशासन की मिली भगत से अहातों का रूप धारण कर लिया गया है तो दूसरी ओर यहां पर शराब की विक्री खुलेआम किरानों दुकानों की तरह होते हुये देखी जाने लगी है। हालत यह बनी हुई है कि सालीचौका क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार करने वाले अधिकारियों को लक्ष्मी के आर्शीवाद से खाकी का अभिषेख करने में कोई कसर नही छोड़े रहे है और सालीचौका ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के गांवों में धडल्ले से शराब का अवैध कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है? इस तरह सालीचौका क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार निश्चित तौर से जिला पुलिस अधिक्षक द्वारा मादक पदार्थो के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम को ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रही है? यदि क्षेत्र की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो सालीचौका क्षेत्र के पौड़ार तिरहा शराब के अवैध कारोबार का अड्डा बना हुआ है और यहां पर आसानी से जहां तहां दुकानों पर शराब का विक्रय होते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर यहां की चाय नास्ता के दुकानदारों द्वारा चंद पैसों के लालच में शराब पीने वालों को जगह उपलब्ध कराये जाने के कारण यहां की शांति व्यवस्था को भंग करते हुये देखे जाने के कारण यहां से निकलने वाले लोगों में दहशत का महौल निर्मित होने से नही चूक रहा है।

खबर संक्षेप

कबीर साहेब प्रकटोत्सव पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

डिंडौरी। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी श्री सदगुरू कबीर साहेब जी की 626वें प्रकटोत्सव ग्राम पिंडरुखी, कबीर बुनकर मोहल्ला विकासखंड बजाग में दो दिवसीय कार्यक्रम जिसमे सत्यनाम धुन व विशाल शोभायात्रा , चैका आरती यज्ञ का आयोजन कर धूम धाम से मनाया गया। सदगुरु भोज भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। उक्त कार्यक्रम में कबीरपंथ समाज पिंडरुखी के समस्त नेमी प्रेमी श्रद्धालुगण तथा सदगुरु कबीर नवयुवक मंडल व आमीन माता महिला मंडल के पदाधिकरी गण व सदस्य गणों के सानिध्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

ट्रेन से टकराने पर अज्ञात वृद्ध महिला की मौत

अनूपपुर। थाना अनूपपुर अंतर्गत सोन मौहरी से अनूपपुर रेल खंड के मध्य रविवार की सुबह एक अज्ञात 50 से 60 वर्षीय महिला जो पगडंडी रास्ते से रेलवे लाइन क्रॉस कर रही थी कि अचानक ट्रेन की चपेट में आने से चोट लगने पर स्थल पर मृत हो गई घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर अनूपपुर के द्वारा कोतवाली पुलिस अनूपपुर को दिए जाने पर कोतवाली पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मृतिका के शव का पंचनामा कर पहचान कराए जाने का प्रयास किया किंतु पहचान न होने की स्थिति में मृतिका के शव को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत सोन मौहरी से अनूपपुर रेलखंड के मध्य किलोमीटर 832/5/3 के मध्य रविवार की सुबह 10:45 बजे एक अज्ञात वृद्ध महिला जो 50 से 60 वर्ष के उम्र की होना प्रतीत होती है पीपरझण्डी नामक पगडंडी रास्ता से हाथ में कपड़ा लेकर पैदल रेलवे लाइन पार कर रही थी तभी सोनमौहरी से अनूपपुर की ओर आने वाली ट्रेन से टकरा जाने पर सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आने पर स्थल पर मृत हो गई जिसकी सूचना स्टेशन मास्टर अनूपपुर द्वारा कोतवाली थाना अनूपपुर में दिए जाने पर सहा. उप निरीक्षक आरएन तिवारी पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मृतिका के शव का पंचनामा कर आसपास के ग्रामीणों से पहचान कराने का प्रयास किया किंतु महिला की पहचान ना हो पाने के कारण उसके शव को जिला चिकित्सालय के शव वाहन से अनूपपुर अस्पताल लाकर सुरक्षित रखा गया है मृतिका की पहचान के लिए आसपास के ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों के साथ अन्य माध्यमों से पहचान कराए जाने की बात कही गई है।

अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी संबंधी बैठक आज

अनूपपुर। अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी के संबंध में जिला स्तरीय विभागों की बैठक का आयोजन आज सोमवार 10 जून को अपरान्ह 3:00 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में किया गया उक्ताशय की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर अमन वैष्णव ने विभागीय अधिकारियों से अद्यतन जानकारी एवं शासन के निदेर्शों के अनुसार की गई कार्यवाही की जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

हिंदुस्तान पावर में पदस्थ रहे तरुण कुमार तरुण का दुखद निधन

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। एमवी पावर अब हिंदुस्तान पावर जैतहरी में पदस्थ रहे मिलनसार व्यक्तित्व के धनी पीआरओ के रूप में पत्रकारों को अपनी सेवाएं दे रहे तरुण कुमार तरुण अब इस दुनिया में नहीं रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमरपुर में धूल खा रही एक्स-रे मशीन

8 लाख की एक्स-रे मशीन सालों से बंद, एक्स-रे रुम में जड़ा ताला रेडियोग्राफर, सीआर सिस्टम इंस्टॉल नहीं होने से फांक रही धूल

प्रदेश के स्वास्थ्य मॉडल में सरकार की ओर से भले ही बदलाव करने, प्रत्येक नागरिक को उसके घर के नजदीक सुगमता से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, हर व्यक्ति को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित करने का दावा करें, लेकिन हकीकत में इसके विपरीत दिख रहा है।

डिंडौरी

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उदासीनता से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों में सुधार का दावा पूरी तरह से हवाहवाई साबित हो रहा है। स्वास्थ्य महकमे में सुधार की बात छोड़िये जो पुरानी मशीनें हैं, उनको भी आज तक दुरुस्त नहीं कराया गया है। कुछ यहीं हाल बना हुआ है अमरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का। केंद्र पर लगा एक्स-रे मशीन सालों से रेडियोगाफ्रर टेक्निशियन के लापरवाही व एक्स-रे मशीन महज इंस्टॉलेशन की वजह से शुरू नहीं हो पा रही। इसके चलते मरीजों को अपनी जेब ढीली करनी पड़ रही है। बार-बार शिकायत के बाद विभाग के आला अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। केंद्र के कुछ दूरी पर आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। ऐसे में दुर्घटना में घायल मरीजों को जिला अस्पताल 30 किमी की दुरी तय करनी पड़ती है या प्राइवेट एक्स-रे मशीन पर एक्स-रे कराने जाते है। ऐसी स्थिति में दूर जाने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। प्रदेश के स्वास्थ्य मॉडल में सरकार की ओर से भले ही बदलाव करने, प्रत्येक नागरिक को उसके घर के नजदीक सुगमता से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, हर व्यक्ति को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित करने का दावा करें, लेकिन हकीकत में इसके विपरीत दिख रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर में बंद पड़ी एक्स-रे मशीन महज इंस्टॉलेशन की वजह से शुरू नहीं हो पा रही। एक्स-रे मशीन का लाभ मरीज को सालों से नहीं मिल रहा। एक्स-रे मशीन आने पर कस्बे के लोगों ने उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें एक्स-रे का लाभ मिलेगा, लेकिन सालों बीत जाने के बाद भी इंस्टॉलेशन नहीं होने के कारण मशीन बंद है। यह मशीन धूल फांक रही है। जिसके कारण मरीजों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सूत्रों के अनुसार एक्स-रे मशीन एक माह पूर्व फिल्म सहित डिजिटल मशीन उपलब्ध होने के बाद भी इंस्टॉलेशन नहीं होने के कारण अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। मरीज इसके लाभ से वंचित हैं।

एक्स-रे कक्ष में सालों से लटका ताला

जानकारी के मुताबिक कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ रेडियोग्राफर टेक्निशियन का महीने में दर्शन होते हैं ऐसी लापरवाही के चलते एक्स-रे मशीन महज इंस्टॉलेशन नहीं हो पा रही इस वजह से एक्स-रे शुरू नहीं हो पा रही। सालों से एक्स-रे कक्ष में ताला लगा हुआ है।इससे अस्पताल में एक्स-रे की सुविधा का लाभ मरीजों को मिलना बंद है। विकासखंड के अंतर्गत दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आते है। वहां पर भी एक्स-रे की कोई व्यवस्था नहीं है। इन केन्द्रों पर उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों को एक्स-रे के लिए जिला अस्पताल भेजा जाता है।

घायलों को कर दिया जाता है रैफर

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आसपास के क्षेत्रों में होने वाली छोटी बड़ी दुर्घटनाओं के घायलों को 108 या डायल 100 से लाया जाता है। लेकिन घायलों का एक्स-रे नहीं होने से उन्हें जिला अस्पताल रैफर कर दिया जाता है। इससे घायलों का समय पर उपचार शुरू हो पाता है। लोगों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स-रे होना अत्यंत आवश्यक है। अस्पताल प्रबंधन को इसकी व्यवस्था शीघ्र करना चाहिए।

विशेषज्ञ चिकित्सकों का टोटा

कस्बे में संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित अन्य स्टाफ की कमी भी लंबे समय से बनीं है। इसकी वजह से लोगो को इलाज कराने के लिए निजी अस्पतालों का रूख करना पड़ रहा है। इसके अलावा स्टाफ नर्स कार्यालयीन कर्मचारियों की भी कमी है।

इनका कहना है,,

पहले वोल्टेज समस्या आ रही थी,पावर कनेक्शन हो गया है। रेडियो ग्राफर की लापरवाही के चलते समस्या आ रही है,वेतन रोकना, वेतन कटौती की जा चुकी है। सुधार नहीं आ रहा है।

डॉ एस एस मरकाम, सी.बी.एम.ओ. अमरपुर

लाड़ली बहनों ने निकाली जीत की रैली

डिंडौरी । जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर में आवास गृह की लाड़ली महिलाओं ने नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में आतिशबाजी करते हुए बैंड-बाजे के साथ रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ आवास गृह से किया गया यहां से रैली आगे बढ़ते हुए सर्वप्रथम हाइवे किनारे के शारदा मंदिर में ग्राम की उपसरपंच रागिनी राय के द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात गोरखनाथ मंदिर से दुर्गा मंदिर में पूजा पाठ और भेंट प्रदान करते हुए हुए ठाकुर देव बाबा के मंदिर पहुंची जहां बाबा की विधिवत पूजा अराधना के बाद रैली का समापन वापस गोरखनाथ मंदिर में किया गया।

इस मौके पर महिलाएं भाजपा जिंदाबाद नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे के साथ रंग गुलाल लगाते चल रहे थें इस दौरान जनपद सदस्य शशि हस्तपुरिया, सरपंच रामेश्वरी मार्को उपसरपंच रागिनी राय श्रीमती शानू तिवारी,ईश्वरी, ताम्रकार, राजकुमारी ताम्रकार, ज्योति साहू, सरोज रजक, पूजा रजक, कमलवती, सीताबाई, सुनीता राव, निशा साहू, चैन कुमारी यादव, शगुन यादव, मधु साहू, राजकुमारी यादव, नेहा साहू, रामवती ठाकुर, शिव कुमारी, अंबिका, निर्मला साहू, सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

हर्षोल्लास के साथ मनाई महाराणा प्रताप जयंती

डिंडौरी। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी राजपूत राठौर समाज द्वारा शिरोमणि महाराणा प्रताप की 484 वीं जयंती हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। जिला मुख्यालय के समीप महावीर टोला में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे, मौजूद अतिथियों ने महाराणा प्रताप के संघर्षमयी जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी। इस दौरान समाज में व्याप्त कमियों को लेकर चर्चा करते हुए दूर करने के लिए प्रयास किये जाने की जरूरत जताई है। शिक्षा को लेकर समाज अथक प्रयास कर रहा है, जिससे सभी वर्ग के लोगों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल सके, जयंती के अवसर पर महावीर टोला में महाराणा प्रताप विद्यालय स्कूल भवन के लिए भूमिपूजन किया गया है। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष कृष्णा सिंह परमार, ओएस चंदेल, पीएस चंदेल,हेमसिह राजपूत रामकुमार ठाकुर, माधव शरण पाराशर, द्वारका बिलागर, अरुण ठाकुर, जय सिंह राजपूत,संतोष चंदेल, कैलाश ठाकुर,समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।

निर्वाचन के पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्षों ने ली शपथ

डिंडौरी

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला डिंडोरी का निर्वाचन विगत 8 जून को आनंदम दीदी कैफे डिंडोरी में निर्वाचन अधिकारी के रूप में बजाग तहसील दार माननीय श्री शांति लाल जी बिश्नोई तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में माननीय श्री यशवंत यादव संयुक्त मोर्चा द्वारा सहयोगी अधिकारी के रूप में संगठन से जिला सचिव संदीप चैरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद अवधिया तथा तहसील सचिव प्रेम लाल झारिया के द्वारा सैकड़ों पेंशनरों के प्रतिनिधियों के बीच सफलता पूर्वक निर्विघ्न संपन्न कराया गया। निर्वाचन अधिकारी द्वारा मां नर्मदा की पूजन अर्चन के पश्चात निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई सर्व प्रथम तहसील अध्यक्ष हेतु डिंडोरी से श्री सुरेन्द्र महदेल, शहपुरा से श्री आर एस गुरुदेव तथा बजाग से गोरखपुर निवासी श्री अर्जुन सिंह नायक के विरोध में कोई अन्य नाम न आने से उक्त तीनों को निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्विरोध घोषित किया गया इसी प्रकार विकास खण्ड अध्यक्ष हेतु डिंडोरी से श्री राजेन्द्र ठाकुर, करंजिया से लोक सिंह धुर्वे,बजाग से श्री अंगद राम मरावी, समनापुर से श्री केदार प्रसाद पाण्डेय, अमरपुर से श्री बी एल कुंजाम,मेंहदवानी से श्री डी आर साहू तथा शहपुरा से श्री डी एल यादव तथा महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हेतु श्रीमति कुंवरिया मरावी के विरोध में कोई अन्य नाम न आने से उक्त लोगों को निर्विरोध घोषित किया गया। अंत में जिलाध्यक्ष हेतु निर्धारित समयावधि के पूर्व तक कोई नामांकन प्रस्तुत होने पर शहपुरा शाखा के पदाधिकारियों द्वारा एक बार पुनः जिला शाखा अध्यक्ष हेतु रामगोपाल तिवारी द्वारा नामांकन पत्र भरवाने के साथ ही अन्य कोई अन्य नाम न आने पर निर्वाचन अधिकारी द्वारा अंत में जिला शाखा अध्यक्ष के रूप में श्री राम गोपाल तिवारी को निर्विरोध घोषित किया गया। जिलाध्यक्ष द्वारा माननीय प्रांताध्यक्ष के निर्देशानुसार प्रांतीय महिला प्रकोष्ठ हेतु जिले से माननीया श्रीमती सी बी उरैती, डिंडोरी तथा सुश्री मीरा श्रीवास्तव, गोरखपुर की घोषणा की गई। जिसका सदन में उपस्थित सैकड़ों सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

निर्वाचन अधिकारी द्वारा परिणाम द्वारा परिणाम घोषित करते समय दूसरे चरण के शपथ ग्रहण कार्यक्रम हेतु संभागीय अध्यक्ष माननीय व्ही पी शुक्ला तथा जबलपुर जिला शाखा अध्यक्ष माननीय डाक्टर अरूण पाण्डेय जी मंचासीन हो चुके थे जिनके स्वागत एवं सम्मान उपरांत अमरपुर के दो नवागत आजीवन सदस्य माननीय श्री अंगद मरावी के साथ ही डिंडोरी विकास खण्ड से श्रीमति प्रभा नामदेव तथा श्री बघेल का भी सम्मान किया गया।

मध्यान्ह भोजन पश्चात संभागीय अध्यक्ष व्ही पी शुक्ला तथा जबलपुर जिला अध्यक्ष डॉक्टर अरुण पांडेय द्वारा मंच में समस्त नवनिर्वाचित अध्यक्षों को शपथ दिलाई गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम में संभागीय उपाध्यक्ष प्रकाश नारायण अवस्थी, वरिष्ठ सलाहकार माननीय मथुरा प्रसाद धुर्वे, डी पी शुक्ला,एफ एस मरावी, अमरकंटक निवासी पेंशनर बाबा के एस राजपूत, शिव कुमार तिवारी, गुरु प्रसाद मिश्रा,प्रभात सोनी ,पंडित हीरा लाल दुबे, डी के ब्यौहार,यू पी झारिया,टी आर पेंद्रो,यू डी बड़गैंया, सीता राम पाण्डेय,सी एल शर्मा, सीता राम श्रीवास्तव,ए एस तेकाम, मुकेश मरकाम,बी एल यादव,सुश्री सावित्री नामदेव, श्रीमती शशि वनवासी, श्रीमती सी बी उरैती, श्रीमती भागवती मरकाम सहित विभिन्न विकास खण्डों से सैकड़ों पेंशनरों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

माँ नर्मदा की सच्ची सेवाः मैया अभियान

डिंडौरी। पर्यावरण एवं जल स्वच्छता का कार्यक्रम मैया अभियान ९ जिसे कलेक्टर के निर्देशन में प्रत्येक रविवार को आयोजित किया जाता है । यह स्वच्छता कार्यक्रम माँ नर्मदा के लिए समर्पित पूर्णतः स्वेच्छा पर आधारित है जिसमे मैया अभियान के स्वयं सेवक स्व प्रेरणा से श्रम दान करते है। कलेक्टर विकास मिश्रा स्वयं प्रत्येक रविवार को प्रातः 7 बजे से उपस्थित रहकर स्वच्छता कार्यक्रम में श्रम दान करते हैं। मैया अभियान स्वच्छता कार्यक्रम विगत वर्ष नवम्बर 2023 से प्रारंभ किया गया था । रविवार को घाट में सफाई की गई। डिंडोरी में सर्वाधिक प्रदूषण यही पर दिखाई देता है । मैया अभियान के सदस्यों ने नर्मदा नदी के अंदर फैली काई ,गंदे कपड़े ,प्लस्टिक ,काँच की बोतलों को निकाला । मैया अभियान के सेवकों का कहना है कि यदि नर्मदा किनारे निवासरत जन सामान्य के लोग स्वयं अपने -अपने घाट की जिम्मेदारी के साथ साफ सफाई रखे तो यह डिंडोरी जिले के लिए गौरव की बात होगी। अभी भी लोग नर्मदा नदी में गंदे कपड़े धोते है एवं साबुन का प्रयोग करते हैं। डिंडोरी शहर नर्मदा तट पर बसा है यहाँ सदैव नर्मदा जल सभी को उपलब्ध रहता है ।गर्मी का मौसम आ रहा है अतः सभी का पहला कर्तव्य है कि मां नर्मदा की निर्मल धारा बनाये रखे। रविवार को आयोजित मैया अभियान में प्रमुख रूप से नेहरू युवा केन्द्र से आर पी कुशवाहा , गणेश गवले , आयुष अधिकारी डॉ सतेंद्र परस्ते ,उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी शिक्षक जितेंद्र दीक्षित , एकलव्य विद्यालय शिक्षक शहीद खान ,आर टी ओ से पंकज डहेरिया , मनोज चैकसे , ब्रजभान पाटले , संस्कार चैकसे , नगर परिषद से सुरेंद्र शुक्ला , महेंद्र ने श्रम दान किया।

धारदार बका लेकर घूमते पाए जाने पर कोतवाली पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र सिंह पवार (भारतीय पुलिस सेवा) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा जिला बदर चल रहे आरोपी संतोष पटेल निवासी बस्ती रोड, अनूपपुर के अमरकंटक तिराहे के पास बका लेकर घूमते पाए जाने की सूचना पर घेराबंदी कर दबोचा जाकर कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जिला अनूपपुर आशीष वशिष्ठ (आईएएस)के द्वारा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पवार के प्रतिवेदन पर संतोष पटेल पिता रामकुमार पटेल उम्र करीब 31 साल निवासी बस्ती रोड, अनूपपुर के विरुद्ध विगत 08 वर्षों में मारपीट, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी, महिलाओं से छेड़खानी, एक्सटॉर्शन एवं हत्या के प्रयास के 06 अपराधिक प्रकरण थाना कोतवाली में दर्ज होना पाए जाने से दिनांक 13 अक्टूबर 2023 को मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3.1 धारा 5-क की कण्डिका (क) एवं (ख) तथा सह पठित धार 7 के अंतर्गत जिला अनूपपुर एवं जिला अनूपपुर की सीमा से लगे हुए मध्य प्रदेश राज्य के जिला शहडोल, उमरिया और डिंडोरी की सीमाओं से 1 वर्ष की काल अवधि के लिए निष्कासित किया गया है। जिला बदर किए गए आदतन अपराधी संतोष पटेल निवासी बस्ती रोड अनूपपुर के द्वारा जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर दिनांक 08. 06.2024 को रात करीब 11:00 अमरकंटक तिराहा के पास धारदार बका लेकर घूमते पाए जाने की सूचना पर टी. आई.कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक संतोष वर्मा एवं प्रधान आरक्षक राजेश कंवर के द्वारा घेराबंदी किया जाकर जिला बदर आरोपी संतोष पटेल को पकड़ा

विद्युत नगरी चचाई प्रबंधन द्वारा बताया जा रहा पर्यावरण संवर्धन का महत्व

चचाई।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह 5 से 12 जून के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जिसके तारतम्य में विद्युत नगरी के प्रशिक्षण हाल में कार्यभारित मुख्य अभियंता विजय देव के मुख्य आथित्य में नारा प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किए गये। इस अवसर पर मुख्य रसायनज्ञ आर के पहुरकर, वरिष्ठ रसायनज्ञ श्रीमती शकुंतला धुर्वे एवं अधीक्षण अभियंता एसपी निषाद, जितेंद्र सिंह, मनोज हयरण उपस्थित थे तथा सभी ने पर्यावरण महत्व पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान पॉलिथीन बैग का उपयोग अपने जीवन से खत्म करने तथा कपड़े के थैली का उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु संयंत्र तथा आवासीय क्षेत्र में कपड़े के थैली का वितरण किया गया।

साइकिल रैली उपयोग कर किया गया पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन

पर्यावरण जागरूकता के लिए अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई संयंत्र से ग्राम पंचायत कैल्होरी तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जो रैली मुख्य गेट क्रमांक 1 से प्रारंभ होकर ग्राम पंचायत कैल्होरी पहुंचने के उपरांत, ग्राम पंचायत कैल्होरी के सरपंच श्री लहरु के अनुरोध पर उक्त पर्यावरण जागरूकता रैली, संपूर्ण कैलहोरी ग्राम के भ्रमण के उपरांत पुनः पंचायत भवन पहुंची, जहां विद्युत गृह के अधिकारियों वरिष्ठ रसायनज्ञ शकुंतला धुर्वे, श्रम कल्याण अधिकारी दिनेश पटेल, लॉ ऑफीसर चित्रा भदोरिया तथा अशोक खरे सहायक अभियंता द्वारा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने उदगार व्यक्त किए गए तथा अंत में समस्त ग्राम वासियों एवं विद्युत गृह अधिकारी कर्मचारियों को पौधे लगाने, पॉलिथीन का उपयोग न करने, एवं जल संरक्षण करने की शपथ दिलाई गई। अंत में जागरूकता साइकिल रैली चचाई आवासीय परिसर में मुख्य अभियंता उत्पादन के आवास के समीप समाप्त घोषित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सेवाएं एसपी निषाद , कार्यपालन अभियंता श्री दास, चिन्मय गोयल, अजय परतेती एवं राजेश डहरिया तथा सुरक्षा अधिकारी कनौजिया अपने समस्त कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

बास्केटबाल खेल के साथ दिया जा रहा तकनीकी प्रशिक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में जिले के हाई हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में 13 जून तक समर कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय पर असेंबली हाल बास्केटबाल ग्राउंड पर छात्र छात्राओं की बास्केटबाल के रोमांचक प्रशिक्षण से ग्राउंड पर बच्चों का उत्साह पूर्वक खेल देखते ही बनता है। व्यायाम शिक्षक डा अंजीता वर्मा द्वारा बच्चों को बास्केटबाल के प्रशिक्षण के दौरान सुबह एवं शाम दोनों समय बच्चे समय पर उपस्थित हो जाते हैं बास्केटबॉल में तकनीकी जानकारी से भी अवगत कराया जा रहा है जिसमें बास्केटबॉल ड्रिबलिंग , हाय ड्रिबलिंग लो ड्रिबलिंग ,बाउंस पास, ओवरहेड पास, ले अप, बास्केटबाल शूटिंग , गिव एंड गो, इंडिविजुअल डिफेंस इत्यादि तकनीकी में बच्चे पारंगत हो रहे हैं । बास्केटबाल खेल प्रशिक्षण में आर्य भदोरिया पूजा ठाकुर यशोदा ठाकुर लाली प्रजापति शालिनी ठाकुर, शिव आशीष वर्मा, आदित्य विश्वकर्मा, सर्वज्ञ शर्मा, रामवती लोधी,रानी लोधी, रत्नेश मेहरा शिवांश ,कृष्णा सोनी ,कृष्णा पटेल,सोनम प्रजापति, देवांश, दर्श पटेल द्वारा नियमित अभ्यास किया जा रहा है।

जनअभियान परिषद द्वारा किया गया वृक्षारोपण

नरसिंहपुर। राज्य शासन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर 05 जून से गंगा दशहरा 16 जून तक चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के निर्माण, जीर्णोद्धार, मरम्मत, नदी, तालाब, कुओं, बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की सफाई और व्यापक स्तर पर पौधरोपण करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा और विकासखंड समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति करेली विकासखंड के ग्राम रमपुरा द्वारा महापुरूषों की जन्म जयंती व अन्य महत्वपूर्ण तिथियों में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष के खेत पर रोपित पौधों की देखभाल, आम, अमरूद, नींबू, पपीता, जामुन एवं नीम के पौधों का रोपण किया गया। इसके अलावा ग्राम रमपुरा में जल संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से शासकीय हैंडपंप के पास सोकपिट निर्माण का कार्य नवांकुर समिति के सहयोग से कार्य किया जा रहा है। जल के दुरुपयोग को रोकने तथा जल को भूमिगत करते हुए उनका संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सकेगा। परिषद की नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियों द्वारा यह अभियान निरंतर चलाते हुए जनजागरण की दृष्टि से दीवार लेखन, संगोष्ठी, रैली तथा जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ दिलाने जैसे प्रभावी कार्य किये जा रहे हैं।

राम मंदिर की साफ-सफाई व ली शपथ

करेली। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम, श्रमदान, साफ- सफाई और पौधरोपण किये जा रहे हैं। नगर पालिका करेली द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वसहायता समूह की महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली इस दौरान राम मंदिर की साफ- सफाई भी की गई। इसके अलावा जल संरक्षण के लिए सभी स्व. सहायता समूह की महिलाओं द्वारा शपथ भी ली गई।

जिले में दो मंत्री फिर भी मनमर्जी कर गये पुलिस के संतरी

धार्मिक आयोजन के चलते हिरण शिकार की जांच अटकी

आरोपियों की जमानत, पर्दे के पीछे वाले आरोपी स्वतंत्र

जांच के बाद पुलिसकर्मियों पर भी गिर सकती है गाज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बीते पखवाड़े मे सुआतला थाना पुलिस द्वारा सक्रियता दिखाते हुये बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कार्रवाई के बाद पुलिस ने प्रेस नोट जारी भी किया जिसमे आला अधिकारियों के मार्ग दर्शन मे और योजनाबद्ध तरीके से आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हे पकड़ा गया । घटना के संबंध मे सारी जानकारी दी गई । हांलाकि पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद आरोपियों को जमानत मिल गई एवं लोगों द्वारा पुलिस पर प्रश्न चिन्ह लगाना प्रारंभ कर दिये जिसपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुनः जांच के आदेश जारी कर दिये। उक्त जांच जिले मे आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के चलते अधर मे लटकी हुई है।

मामला इस प्रकार

बीते दिनों सुआतला पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि वन्य प्राणी के मांस की तस्करी की जा रही है । सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाई और दो अरोपियों को बंदूक, छर्रे एवं हिरण के मांस सहित बुलेरो वाहन को जप्त कर लिया। उसके बाद तीन घंटे तक वन विभाग थाने मे आारोपियों के लाने का इंतजार करता रहा जैसे ही आरोपियों को लाया गया तो पुलिस ने वन विभाग से नाम मात्र सहयोंग लेकर मामला पंजीबद्ध कर स्वंय कार्रवाई करते हुये न्यायालय मे पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया और दूसरे दिन ही आरोपियों को न्यायालय द्वारा जमानत भी दे दी गई।

पर्दे के पीछे मुख्य आरोपी कौन ?

उक्त मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा जांच के आदेश दिये गये है और तेदुखेड़ा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई । लेकिन सोचनीय बात यह है कि कार्रवाई के दौरान एसडीओपी तेंदूखेंड़ा भी उक्त कार्रवाई मे शामिल थे यह बात प्रेस नोट मे पुलिस ने बताई है तथा मार्ग दर्शन उच्च अधिकारियों का था तो पुलिस ने कार्रवाई करने मे चूक की जो सुआतला पुलिस के गले मे फसती नजर आ रही है एक बार चूक करने के बाद दोबारा गलती करने का मौका भी एसडीओपी तेंदुखेंड़ा को दिया गया। हालाकि उक्त मामले के मुख्य आरोपी स्वतंत्र है उन्हे पुलिस ने कार्रवाई के दौरान ही मामले से बाहर कर दिया था । लेकिन पुनः से होने वाली जांच मे मुख्य आरोपियों के साथ - लापरवाह पुलिस कर्मियों पर भी गाज गिरने की संभावनायें बनी हुई । अब देखना होगा कि मुख्य आरोपियों को पुलिस कैसे बचाती है।

पुलिस ने दया दिखाई या दाबत खाई ?

उक्त मामले को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर लोगो द्वारा अनेको प्रकार से चर्चा की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से लगभग 5 किलो मांस जब्त हुआ एवं बुलेरों गाड़ी मे बंदूक व छर्रे भी मिले और आरोपियों से पुलिस यह पता लगाने मे सफल नही हो पाई कि शेष हिरण का भाग किसके पास है क्योकि हिरण मारा गया तो काटा भी गया होगा तब मांस निकाल कर लायें होंगे ऐसी स्थिति मे शेष हिरण का भाग पैर, खाल, चाकू, हड्डी आदि भाग किसके पास है । लोगो का मानना है कि जिसके पास हिरण का शेष भाग है वही मामले का मुख्य आरोपी है। हालांकि मामले से परत दर परत खलासे होने की पूरी संभावनायें बनी हुई है। लोगो की माने तो पुलिस ने आरोपियों पर दया दिखाते हुये मोटी दाबत खाकर मुख्य आरोपियों को बचाने का कार्य किया है अब देखना होगा कि जांच मे क्या सामने आता है ।

आधे मांस की पार्टी तो आधा सड़ता रहा

पुलिस द्वारा जब्त किया गया हिरण का आधा मांस थाने रखा हुआ सड़ता रहा और दूसरी तरफ शेष हिरण के मांस की पार्टी आरोरियों द्वारा कर ली गई । ज्ञात हो कि मांस जब्ती होने चार दिन बाद नष्टीकरण की कार्रवाई की गई थी। सूत्रों की माने तो पुलिस यदि पूरी गंभीरता के साथ कार्रवाई करती तो हिरण का पूरा मांस एवं मुख्य आरोपी भी सामने ला सकती थी लेकिन पुलिस द्वारा ऐसा ना किया जाना कई संदेहों को जन्म दे रहा है । वही एसपी द्वारा मामले की पुनः से जांच कराई जा रही है जिसमे देखना होगा कि क्या खुलासा होगा। फिलहाल जिले मे आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रम के कारण जांच अटकी हुई है।

पुलिस ने बनाया झूठा मामला

उक्त मामले में आरोपी बनाये गये राजाराम पटेल और प्रदीप राय द्वारा न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर के यहां प्रस्तुत जमानत आवेदन पर में बताया गया है कि थाना सुआतला पुलिस ने उनके विरुद्ध पुलिस द्वारा राजनीतिक षड्यंत्र के तहत झूठा प्रकरण पंजीबद्ध किया जाने की बात कही है, उन्होंने बताया कि आवेदक डीजल क्रय करके खेत ले जा रहे थे तभी पुलिस वाले उनका वाहन बोलेरो को वहीं छोड़कर उन्हें अपने वाहन में बिठाकर लगभग तीन-चार घंटे घूमते रहे और पैसों की मांग की। आरोपी पक्ष ने स्वयं को निर्दोष बताया। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपियों को जमानत दी। मामले की हकीकत क्या है यह जानने की लोंगो मे काफी उत्सुकता है। हालांकि हिरण शिकार के बहुचर्चित मामले मे अभिनेता सलमान खान की जमानत मे दो दिन मे नही हो सकी थी तो उक्त मामले मे कैसे हो गई लोगों को यह बात समझ के परे लग रही है । वही सूत्रों की माने तो यदि वन विभाग द्वारा प्रकरण बनाया गया होता तो आरोपियों की जमानत इतने जल्दी संभव नही थी । पुलिस की जल्दबाजी आरोपियों के लिये सहायक सिद्ध हो गई ।

इनका कहना है

जिले मे धार्मिक आयोजन के चलते जांच अधिकारी उसमें संलग्न है। कार्यक्रम समापन के बाद शीघ्र जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है ।

अमित कुमार , एस पी नरसिंहपुर

गोंडवाना साम्राज्यकालीन ऐतिहासिक बावड़ी का कराया जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में व सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिले की सांईखेड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत खुरसीपार में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जल संरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत खुरसीपार में ग्राम पंचायत एवं जन सहयोग से गोंडवाना साम्राज्यकालीन ऐतिहासिक बावड़ी का जीर्णोधार कराया गया है। यह बावड़ी जिले में अभी तक सुरक्षित एवं संरक्षित भी है। इसी के साथ- साथ मिनी, चेक डैम और मुक्तिधाम पर तालाब निर्माण कार्य कराया गया है। भविष्य में जल संरक्षण कर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी एवं मवेशियों एवं अन्य जीवों को पानी के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर 05 जून से गंगा दशहरा 16 जून तक चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के निर्माण, जीर्णोद्धार, मरम्मत, नदी, तालाब, कुओं, बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की सफाई और व्यापक स्तर पर पौधरोपण करने का निर्णय लिया गया है। इसी तारतम्य में जिले में जल संरक्षण एवं पर्यावरण के लिये विशेष जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है।

पवित्र क्षेत्र घोषित करने एवं बरमान विकास प्राधिकरण बनाने की मांग

पवित्र क्षेत्र बरमान में प्रति अमावश्या, पूर्णिमा के अलावा अन्य बड़े पर्वो पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते है इसके बावजूद क्षेत्र का समुचित विकास नहीं हो सका और अभी भी यहां कई विकास कार्यो की दरकार है। पूर्व की तरह एक बार फिर क्षेत्र के विकास हेतु बरमान विकास प्राधिकरण बनाये जाने की मांग उठने लगी है।

हरिभूमि न्यूज - करेली।

नरसिंहपुर विधानसभा, करेली तहसील, जनपद करेली में ग्राम पंचायत बरमान कलां के अंतर्गत, सीढ़ी घाट, क्षेत्र आता है सतधारा के पास हरिहर आश्रम वाले क्षेत्र ग्राम पंचायत मिढ़ली है। वही गाडरवारा तहसील, तेन्दूखेड़ा विधानसभा, जनपद चांवरपाठा ग्राम पंचायत बरमान खुद के अंतर्गत रेत घाट, दीपा मंदिर क्षेत्र आता है एवं सतधारा, सूर्यकुण्ड का क्षेत्र लिंगा पंचायत में आता है। राजस्व की एकरूपता नहीं होने से विकास की गति बढ़ ही नहीं पा रही है।

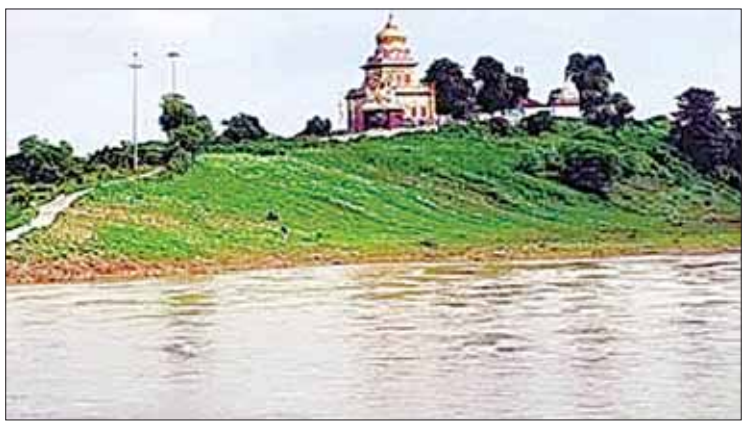

शासन, प्रशासन दिखाये संजीदगी

बरमान के समुचित विकास हेतु शासन प्रशासन यदि इस दिशा में संजीदगी दिखायेगा तो बरमान विकास प्राधिकरण संभव है। मई 2016 में एक ज्ञापन पर कार्यवाही कर तहसीलदार करेली ने पवित्र नगरी बरमान की सीमा को बढ़ाकर बरमान घाट के उत्तर एवं दक्षिण दोनो तट क्षेत्र का संपूर्ण क्षेत्र एवं सतधारा स्थित सूर्यकुन्ड को भी इस पवित्र क्षेत्र मे सम्मिलित किए जाने की मांग को लेकर सौपे गए ज्ञापन पर सिबी चक्रवर्ती कलेक्टर नरसिंहपुर को तत्कालीन तहसीलदार करेली प्रमोद चतुर्वेदी ने प्रतिवेदन भेजकर मांग को आगे बढ़ाया था जिसमे राजस्व निरीक्षक बरमान से नक्शा प्रतिवेदन लिया गया। राजस्व निरीक्षक ने अपने प्रतिवेदन में उल्लेखित किया है कि म.प्र. राजपत्र दिनांक 14 जून 2013 के अनुसार सीढ़ी घाट, सतधारा, दीपा मंदिर, को पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है। मौजा बरमान कलां का सम्पूर्ण क्षेत्र पवित्र नगरी घोषित किए जाने की मांग की गई है तथा गाडरवारा तहसील के अंतर्गत बरमान खुर्द, एवं सतधारा (लिंगा पंचायत), को पवित्र क्षेत्र घोषित किए जाने की मांग की गई है।

रोप-वे से जुड़ेंगे दोनों तट

रोप-वे के निर्माण से नर्मदा नदी के दोनों तट उत्तर एवं दक्षिण को जुड़ जाएगा। पुल का महत्व सर्व विदित है। जनवरी माह में लगने वाले मेले में पुल मेले की जान होता है मेले का व्यापार एवं धार्मिक आयोजन चरमोत्कर्ष पर होते हैं और व्यापारियों एवं यात्रियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पडता है। इस कारण मेला दिनों दिन अपना वास्तविक रूप खोता जा रहा है। रेत घाट से लगे 20 से 25 गा्रमों के नागरिक अपनी दैनिक उपयोग की वस्तु क्रय करने के लिए प्रतिदिन नाव से बरमान आते हैं उनको करेली जाना पडता है और नाव में बरमान आने में कठिनाई होती है। रोप-वे से रेत घाट से लगे ग्रामों के लोगों की बरमान आने जाने में सुविधा होगी जिससे बरमान का व्यापार बढेगा। अभी रेत घाट, सीड़ी घाट एवं दीपा क्षेत्र के मंदिर अलग अलग हैं लेकिन जब रिपटा पुल बनेगा तो तीनों क्षेत्रों के मंदिर आपस में जुड जायेंगे और बरमान एक पर्यटन एवं तीर्थ स्थल के रूप में विकसित होगा जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ जायेगी और बरमान रेतघाट, सीढ़ी घाट एक नये रूप में विकसित होगा।

एनएचआई की खामियों का खामियाजा भुगत रहे लोग

नालियों में जमा कचड़ा नहीं हो पा रहा साफ

जहां तहां से खुली पढ़ी

तेंदूखेड़ा

तेंदूखेड़ा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग निर्माण कार्य में गुणवत्ता को ताक पर रखकर जिस तरह की व्यवस्थाओं को संबंधित ठेकेदार द्वारा अंजाम दिया गया है उसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। सबसे बड़ी विसंगति तो यह है कि मुख्य सड़क मार्ग के बाजू से जो नाले नुमा नालियां बनाई गई है उनमें निर्माण के समय का जो कचड़ा पड़ा हुआ है उससे बरसात के दिनों में पानी नालियों के ऊपर से बहता है वहीं जहां तहां से नालियां टूटी पड़ी होने के कारण छोटे छोटे बच्चों और मवेशियों को गिरने का भय बना रहता है। बरसात के पूर्व इन नालियों की उचित तरीके से साफ सफाई होने और जहां से ढक्कन टूट गये हैं।उनको सुधार करने की जरूरत है।

नहीं बन सका अंडरब्रिज

प्रत्येक शहर कस्बाई इलाकों में एन एच आई द्वारा मुख्य सड़क मार्गों पर सुरक्षित आवागमन हेतु अंडरब्रिज बनाये गये हैं लेकिन तेंदूखेड़ा के साथ जो उपेक्षित नजरिया अपनाया गया है उससे संपूर्ण तेंदूखेड़ा के लोग परेशान बनें हुए हैं। इतना ही नहीं अधिकारियों ने यहां के छोटे छोटे स्कूली बच्चों छात्राओं के भविष्य को भी जरा भी ध्यान में नहीं रखा सर्वाधिक स्कूल इसी मुख्य सड़क के बाजू से ही बने हूये है सभी छात्रों को मुख्य सड़क को पार कर गुजरना पड़ता है। जन सुरक्षा को लेकर बनाये गये पुलिस थाने तहसील कार्यालय आई टी आई युवाओं को खेल ग्राउंड किसानों के हितों को लेकर बनीं सोसायटी जैसे सभी कार्यालय तेंदूखेड़ा के आदिवासी बाहुल्य बार्डो में आने जाने के लिए अनुकूल जगह से अंडरब्रिज तक नहीं बनाया। बल्कि काफी दूर अंडर ब्रिज बने होने के कारण लोगों अपनी सुलभता की दृष्टि से इसी मुख्य सड़क से जान हथेली पर रखकर आवागमन किया करतें हैं।पूर्व में एन एच आई के अधिकारियों को इस गंभीर समस्या से अवगत भी कराया गया था लेकिन आज तक इस दिशा में कोई उचित पहल नहीं की गई।

ट्रक ने मारी टक्कर, दो युवतियों की मौत, एक घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथा कार्यक्रम में जाने की बात कह कर अपने घर से निकली तीन किशोरियों को रास्ते में ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी घायल युवती ने इलाज मिलने के पहले ही रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पूरे मामले की जानकारी देते हुए ठैमी थाना प्रभारी बीएल त्यागी ने बताया कि करेली के राजेंद्र वार्ड निवासी निकिता ठाकुर, निकिता साहू और सिमरन ठाकुर एक्टिवा में सवार होकर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा में जाने की बात कहते हुए अपने घर से निकली थी, लेकिन वह वहां पर नहीं पहुंची और दादा महाराज होते हुए टोन घाट की ओर निकल गई। तभी बेलखेड़ी और सूरवारी के बीच नहर के पास पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक यूपी 70 ईटी 1455 ने तीनों को पीछे से टक्कर मार दी। जिसकी चपेट में निकिता साहू और निकिता ठाकुर आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि निकिता साहू के शरीर के कई टुकड़े मार्ग पर बिखर गए वहीं निकिता ठाकुर भी पहिये की चपेट में आ गई। सूरवारी पर ही खड़े ठैमी थाना के एसआई अशोक परिहार ने तत्काल एंबुलेंस बुलवाकर घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ग्ते में ही निकिता ठाकुर ने दम तोड़ दिया। वहीं सिमरन ठाकुर को मामूली चोट आई है और उसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार करते हुए वाहन को जप्त कर लिया है। पुलिस युवतियों के शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

फिर बरांझ नदी में गिरा टेक्टर ट्राली

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा से बरमान जाने वाले सड़क मार्ग पर इमझिरा के समीप बरांझ नदी पर एक ट्रेक्टर ट्राली फिर जा गिरा एवं चालक भी बाल बाल बच निकला। ट्रेक्टर ट्राली डोभी तरफ से विद्युत खंबा लेकर वापस लौट रहा था कि रात्रि में सामने तरफ से आ रहे एक वाहन की लाइट की चकाचैंध में ट्रेक्टर ट्राली अंसतुलित होकर नदी में जा गिरा। चूंकि ट्राली पुल पर ही खड़ा रहा ट्रेक्टर नीचे नदी में लटक गया।किसी भी तरह ड्राइवर ने कूंदकर अपनी जान बचाई। गौरतलब रहे कि इस नदी पर यह कोई पहला हादसा

नहीं हुआ है बल्कि पूर्व में भी कई बार हादसे हो चुके हैं। और असमय काल के गाल में चालक और उसमें सवार लोग काल कल्वित हो गये हैं। फिर भी प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई उचित व्यवस्था नहीं बनाई है। ट्रेक्टर ट्राली गिरने के बाद घंटों सड़क मार्ग बंद रहा।जब बाहर से क्रेन बुलाई गई।तब टेक्ट्र ट्राली को निकाला गया।तब कहीं सड़क मार्ग सुचारु हो सका। गौरतलब रहे कि इमझिरा के समीप बरांझ नदी और डोभी के समीप पांडाझिर नदी पर बने पुलों की निचाई बहुत ही कम है।